

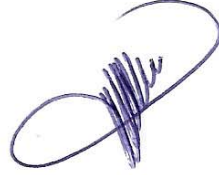
الجامعة الأردنية

نموذج تفويض

أنا احمد إبراهيم حسن الحسنات ، أفوض الجامعة الأردنية بتزويد نسخ من أطروحتي للمكتبات أو المؤسسات أو الهيئات أو الأشخاص عند طلبها.

التوقيع: 

التاريخ: ٢٠٠٧/١٢/٢٧



نوقشت هذه الأطروحة وأجيزت بتاريخ ٢٤ ذو القعدة ١٤٢٨هـ الموافق
٢٠٠٧/١٢/٤م

التوقيع



أعضاء لجنة المناقشة

الأستاذ الدكتور محمود صالح جابر مشرفا ورئيسا
أستاذ أصول الفقه الجامعة الأردنية

الأستاذ الدكتور علي الصوا (عضوا)
أستاذ الفقه المقارن الجامعة الأردنية

الدكتور العبد أبو عيد (عضوا)
أستاذ مشارك أصول الفقه الجامعة الأردنية

الأستاذ الدكتور عبد الله الصالح (عضوا)
أستاذ أصول الفقه جامعة اليرموك

تعتمد كلية الدراسات العليا
هذه المسحة من الرسالة
التوقيع:
التاريخ: ١٢/١٢/٢٠٠٧

	<p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p> <p>.....</p>

--	--

--	--

	<p>()</p> <p> :</p> <p> </p> <p> </p> <p> </p> <p> </p> <p> </p> <p> </p> <p> </p> <p> </p> <p> </p> <p> </p>
--	---

		()			..
			
			
			
			
			
			

..

..

..

..

..

..

..

:

:

:

:

:

:

-

::

-

:

-

::

-

-:

::

:

-

-

:

:

:

:

:

:

:

:

1 (/) : () .

2 () :

3 () :

(/)

4 ابن فارس ، أبو الحسين أحمد بن فارس، (ت هـ) . معجم مقاييس اللغة، ط ، (تحقيق عبد السلام هارون)،

دار الجيل، بيروت، (/)

5 (/) :

(/)

(/)

¹ الحفني، يوسف الحفناوي ، حواشي الحفني على المطلع شرح متن ايساغوجي في المنطق لشيخ الإسلام زكريا الأنصاري، مطبوع مع شرح المطلع ، مطبعة مصطفى البابي الحلبي ، مصر ص () .

2

3

(:)

4

⁵ هذا المعنى مقتبس من تعريف ، أحمد السائح للفكر الإسلامي ، أنظر: السائح، أحمد عبد الرحيم، () .

6

7

: ()
 :
 " " :
 ()
 (:)
 (:) ()
 (/) (:)
 : ()
 (/) (:)
 (/) ()
 (/) (:)
 (/) ()



:

:

-

.

-

:

:

:

(/)

: 1

2

.() 3

.() : 4

: .

:

:

:

:

-

-

-

-

:

.

(/)

: 1

١

٢

٣

٤

:

..

1

:

:

:

:

∴ ∴

1

2

)

:

(:)

.(

(/)

(/)

(/)

":

(/)	:	1
	:	2
.()	:	3
.()	:	4

.
 " .
 .
 :
 :
 :

-
- 1 : :
 - 2 . () :
 - 3 . (/) :
 - 4 . () :
 - 5 . () :
- (/)

:

:

":

:

:

:

:

"

:

.

:

":

:

:

"

:

":

1

(/)

(/)

2

:)

:

(

(/)

3

:

(/)

:

4

.()

:

5

(:)

(/)

"

"

:

:

:

":

"

.()

:

1

(:)

(/)

)

.()

:

2

(/)

(

:

(/)

3

)

.()

(/)

(

4

:

:

: . . .

.()

5

.....	:	:	1
.....	:	:	2
.....	:	:	3
.....	:	:	4
.....	:	:	5
.....	:	:	6

":

.

1
)
 (/)
 : 2
 (/)
 : 3

.

:

: ...

"

".

.()

: 1

: 2

: 3

":

"

":

...

...

."

1 () .

:

:

(/ /)

(/) :

2

() .

3

(/)

:) () .

4

(

⁵ لن أتعرض في هذا المبحث لقضية أولية الشافعي في تدوين علم الأصول؛ لأن هذه القضية أخذت حيزا واسعا من البحوث حتى غدا من المسلم به بشهادة العلماء والمتخصصين ثبوت ذلك عن الشافعي، وسيأتي مزيد =

(/) : =

: (/)

.(/)

(/) : 1

.(/) 2

: . . .

:

:

...

":

: 1

.() 2

: 3

: 4

"

	1
:	2
:	3

.

:

::

::

::

.() : 1

: 2

3

:

:

:

:

.

.

.

:

:

:

":

"

:

1

2

(/)

:
(/)

(/)

(/)

.....	1
.....	2
.....	3

":
...

:
:
:
:

"

(/) 1
 .() : 2
 (/) 3

:

:

:

:

:

:

:

: 1

2

: 3

(/)

: 4

:

: " : ()

...

()

" :

".

" :

"

".

(:)

()

 1

(/) 2

3

(/)

.() : 4

)

(/)

(

∴ ∴

1
2 () .

∴ ∴ ∴

::

_____ 1

:

:

"(/)

:

.()

: . . .

:

.

.

:

:

:

::

::

::

:
 :
 :
 " :
 :
 ." :
 :)
 (/)
 .()
 (

1 :
 2 :

(/)	1
(/)	2

..

..

":

"

...

.. :
..

":

:

"

::

1

2

3

.()

:

:

.

.

:

" :

...

" .

()

1

2

3

: .

":

"

(/) 1

: 2

(/) : 3

(/)

(/)

: 2

_____ 1

:

∴ ∴

∴

∴ ∴

∴ ∴

1

2

3

4

5

6

7

8

()

(/)

(/) (/)

(/)

(/)

(/)

(/)

:

.

:

:

::

.

:

:

1

(/) :

(/) (/)

.() : 2

(/) : ()

(/) :

:

:

1

:

:

(/) . (:)

2

:

:

. ()

(/)

3

:

:

(/) . ()

(/) : . . ()

4

:

(/)

5

:

:

:

1

(/) :

2

(/) :

3

:

4

:

5



(/)	(/)	:	1
			2
			3
(/)	(/)	:	4

: :

" :

" :

" .

:

:

:

:

: 1

(/) : 2

() 3

(/) 4

(/) 4

(/) 5

:

:

(/)

:

1

:

(/)

2

(/)

3

(/)

:

.

):

(

":

:

...

)

(

)

(

".

1

:

)

:

(

:

)

.(

(

:

)

(

)

2

:

.()

:

.

:

.

.

: 1

:

2

(/)

(/)

(/)

(/)	1
(/)	2
(/)	3
(/)	4
(/)	5

()

":

::

:

"

.

:

":

:

_____ 1

::

2

3

4

.()

:

(/)

(

:

)

.()

:

5

(/)

(:)

(:)

.()

"

.

" :

::

".

":

::

":

":

"

":

".

::

"

::

":

"

".

::

(/)

1

:

2

3

(/)

:

4

(/)

5

6

7

()

..

.()

:

: 1

..

.()

: 2

.

:

:

()

(/)	:	1
	.()	
	:	
(/)	:	2
(/)	:	3

":

".

:

":

".

:

:

(/)

1

: 2

.() : 3

: 4

:

:

1
: ()

2
:

..F

: 1
: 2

": : "

":

:

.

:

::

":

:

(/)

_____ 1

(/)

:

2

3

:

.()

:

4

:

"

.

::

:

:

1
2
: 3
: 4
: 5
6

:[] " :

:

:[]

: .

"

...

.

::

::

:	1
:	2
:	3
:	4

∴

∴

:	1
:	2

..

..

..

1

:

.

2

..

..

..

" ..

..

1

2

3

4

::

" ::

::

: 1

2

3

4

∴ ∴

∴

∴

∴

()

(/) : 1

()
()

:

:

()

() :

:

:

() : 1

(/)

(/) : 2

: 3

(/) (/) :: 4

(/) (/) :: 5

: 6

(/) : . :

(/) : 7

:

:

(/)

: 1

:

:

:

:

:

:

:

:	1
:	2
:	3
:	4

:

:

:	1
:	2
:	3

:

()

() () ():

:

()

(/) : 1

2

() :

()

(/)

3

(/) (/) :

4

5

:

(/) :

(/) :

6

) () ()
() ()
:
. ()
() ()
:
()
:
()
:
(/)
(/) (/) : 2
(/) (/) : 3
4
:
(/) :
(/) : 5
6
:
(/) :
7
:
(/) :
(/) : 8
9
:
(/)
(/) : 10



()

=

١٠١

:

():

" :

...

:

) ()

(

.

: ...

...

...

=

=

:

:

1

2

:

:

()

()

:

:

: 1

2

:

:

:

:

:

: 1

2

: 3

4

(/)

:

)

(

()

:

()

()

:

()

:

:

()

:

(/)

:

1

"

[

]

" :

:

2

(/)

:

3

(/)

:

4

(/)

:

5

(/)

:

6

:

7

(/)

:

8

:

	1
.()	2
-	:
(- /)	3
(/)	4
(/)	5
(/)	6

(:):

:

:

:
:

:

":

..

..

..

..

..

..

()

:)

.()

: 1

(

2

3

:

() :

:

:"

:

... "

: . . .

.() : 1

: 2

: 3

4

: : 5

() 6

() :
()

()

:

:

1

2

:

3

(/)

4

()

()

(/)

(/)

: ()

():

()

:

()

()

1

: 2

(/) :

3

:) :

(/) (

: 4

:

(/)

(/) :

6

:

: .()

7

: () :
 () :()
 () ()
 () ()
 () : ()
 : () :
 () ()
 () :
 :

:	1
:	2
:	3
:	4
:	5
:	6
:	7
:	8

:

.

.

.

.

.

1

: .

:

2

:

3

:

4

:

(/)

:

5

:

:

6

(/)

(/)

.()

: () .

()

(/)

.() : 7

:

:

()

()

()

() () ()

() () ()

_____ : 1
(/)

2

:

:

3

.() : ()

4

(/)

:
(/)

5

:

:

6

(/) : 1
2

:

::

():

(

:

1

2

(/)

3

():

() :

:

()

():

"

":

":

"

"

1

2

3

) () :

4

(

(/) :

5

6

(/) :

7

()

8

(/)

9

(/)

10

()

"

" ()

"

:

"

"

()

:

" :

(/)

1

(/)

2

:

.()

3

:

(/)

:

4

:

5

: "

::

::

1

2

.

.

: 3

: 4

()

:
: ():

()

. ()

:

1

: 2

.() : 3

(/)

4

(/) : 5

: 6

: 7

.()
:

::

::

::

:

:

.() : 1
(/) :

:

(/)

:"

"

:

-

(/) (/) : 1

(/): 2

:

(/) (/)

(/) :

(/): 3

(/) 4

(/) : 5

(/) : 6

(/) : 7

(/) : 8

- 9

(/) : 10

(/) :

(/)

:

-

-

()

()

()

(/) : 1

(/) : 2

(/) : 3

4

(/) (/) (/) : : 5

(/) (/) (/) (/) (/) (/)

6

: . . . () : 7

(/)

:

:

":

...

".

()

(/)

(/)

:

(/)

(/)

(/)

1

2

3

4

5

:

()

() ()

() ()

()

" : ()

:				1
(/)	(/)	:		2
	(/)	:		3
	(/)	:		4
:				5
(/)	(/)	(/)		6
	(/)	(/)	(/)	

()
:

()

":

()

()

()

()

(/) .()

()

1

(/)

2

(/)

3

:)

4

(/)

(

:	" :	:	
:	:	:	
	" :		
	.		
	.		
	" :		
	.		
	.		
() ()			
()			
	:		
.			
(/)		:	1
(/)		:	2
(/)		:	3
(/)		:	4
(/)		:	5
(/)		:	6
(/)		:	7
(/)		:	8

:

:

(/)

: 1

(/)

: 2

(/)

: 3

(/)

: 4

(/)

:

5

()

()

()

()

(/)

(/)

(/)

(/)

1

2

3

4

: 5

: 6

.

:

:

1

:

2

()

(/) :

3

(/) (/)

()

:

()

: 1

: 2

(/)

(/) : 3

(/) : 4

5

:

6

: 7

: 8

() () () :

()

..

..

..

1

() ()

:

::

(:) : 1

.

:

: :

:

.

1

:

(/)

2

:

(/)

3

()

:

(:)

)

(:)

.(

4

:

)

.()

(

()

" :

:
:
:

(/)

(- /)

(/)

1
2
3
4
5
6
7

"

:

::

::

()"

:

:

:)

1

(

(/)

2

3

:

:

4

(/)	1
.()	2
:	3

:

:

:

: 1

": 2

(/)

".

:

()

:

_____ 1

(/) (/) :

(/) (/)

: (/) :

:

4

:

()

5

(/) (/) (/) :

:

:

(/)

:

:

:

(/) : 1

: . . . () : 2

:

(/) (/) (/) : 3

(/) (/) (/) : 4

(/) (/) (/) : 5

(/) (/) (/) : 6

(/) (/) (/)

:

:

:

() :

1

2

": (/) 3

."

(/) : 4

(/) : 5

(/) (/)

() :
() :

":

"

()

1

(/)

2

:) : .

(/)

(: 3

4

(/)

5

()

()

()

()

()

": ()

()

()

1

: 2

:

:

(/)

.() : 3

(/) :

: 4

()

"

":

:

()
()

":

"()

" "

"

:

()

:

()

()

(/)

1

2

(/)

3

(/)

4

(/)

5

6

. ()

()

()

":

()

...

...

".

.

()

(/)

: 1

2

3

(/)

4

:
 :
 ()
 :

 1
 (/) :
 (/) : 2
 (/) : 3
 (/) (/ /)
 : (/)
 (/ /)
 (/ /)
 : 4
 /) (/) :
 (/) 5
 : 6
 /) (/) :
 (/)
 (/)

:

∴
∴
∴

∴ () ()

1

(/) :
(/) :

: 2

(/) : :
(/)

: 3

(/) :
(/) :

4

(/) :
(/) :

(/) : 5

()

()

()

". ()

()

: ()

() :

()

()

()

:

:

()

:

()

()

1

(/)

2

3

/)

:

:

()

:

(/)

4

(/)

(/)

/)

()

5

(/)

()
 ()

() :
 ()

()
 :

:

()

()

() 1

(/ / / /):

: () :

(/ / / /)

()

": ()

() ()

()

...

"

()

:

()

()

:

()

()

()

()

()

()

:

(/)

1

(/)

2

:

(/)

:

(/)

:

3

(/)

:

()

()

()

()

:

":

()

:

()

"

":

()

()

()

()

/)

1

(

/

2

(/)

3

/) :

(

4

"

(/)

(/)

1

:

::

::

::

::

::

: 1

: 2

: 3

(:)

":

"

":

...

: ...

...

"

":

...

"

: 1

2

3

: 4

5

6

:
: () () :

()

() () :
()

..

"

1

2

3

: () :
()

:

():

(/)

:	1
:	2
:	3
:	4
:	5
:	6

()

::

::

::

::

1

2

3

() :
:

: () :

" : () ()

1

. () : 2

(:)

(/)

(/) : 3

" .

) () :

) () () (

) () (

()

:

:

(/) 1

:) .() 2

(3

:

(:) .()

(/) 4

(/) 5

(/) :

: " :

(/) :

()

()

1

(/)

2

.()

3

(/ /)

4

(/ /)

5

(/)

6

/ /):

7

(

":

".

(/) 1

2

:

(/)

3

" : ()
 ...
 ".
 ()

(/) : 1
 (/) 2
 /) 3
 (/ / 4
 (/) : 4

.

()

":

".

() ": ()

".

: ()

:

() ()

1

=

:

(/)

(/) : (/)

(/) (/)

(/)

(/)

:

5

":

: "

()

": ()

()
()

()

()

()

()

."

1

...

.()

:

(/)

:

(/)

2

(/)

3

4

/)

:

(/)

(/)

()

()

()

()

()

()

(/ /)

(/)

)

(/ /):

(/ /):

:

:

:

:

:

(

1

2

3

4

5

() :

() :
()

() :
:
:

1

(/)

(/) : 2

(/) : 3

(/) : 4

(/) : 5

/ / /) : 6

(/

/ / /) : 7

(/

() () ()
 () ()
 () ()
 () ()
 () ()
 () ()
 () ()

() " : ()
 () "

.
 : () :

-
- (/ / /) : 1
 - / / / / / : 2
 - (/ / / /) : 3
 - (/ / / /) : 4
 - (/) 5
 - (/) 6
 - 7

(/)

" .
" .

" .

" .

..

" .

" .

. () ()
() ()
()

(/)	()	
	(/)	1
	(/)	2
	(/)	3
		4

() :

...

.
-
..

"

-

::

()

()

(/)	:	1
(/)	:	2
		3

(/) :

	:	()	-
	:	()	-
	:	()	-
	:	()	-
()			
		()	
		()	
/)	:	(/)	1
		(/)	
/)	:	(/)	2
		(/)	
/)	:	(/)	3
		(/)	
		(/)	4
		(/)	5
	:	(/)	6
		(/)	

:

()

:

()

:

()

()

:

_____ : 1

147 2

(/) : 2

(/) : 3

: 4

5

/)

:

(

6

(/

/)

:

()

:

(/)	:	1
(/)	:	2
(/)	:	3

() :

":

() : ... ()
" () () ()
()

:

: ()

()

":

."

(/) : 1

(/) 2

3

: 4

:

:

:

()

()

() ()

()

":

:

()

"

":

."

(/) 1

: (/) 2

: "

":

(/)

=

() : () : () -

() () () -

()

) () -
(

(/) (/) : 1
: 2

(/) :
(:)
(/)
(/) 3
(/) : 4

() () -

() ()

) () (

() () ()

(/) : 1

(/) :

:

(/) :

(/) : 3

: 4

(/) :

(/) : 5

/ /) : 6

(

: 7

(/) :

(/) : 8

(/ /) :

9

10

:

(/)

(/) : 11

()

()

.

() ()

:

()

()

-

.()

()

:

-

. ()

:

:

-

.

(/)

:

1

(/ /)

2

(/)

:

3

/ /)

:

(/ /

(/)

:

4

(/ / /)

:

:

5

()

:

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

"

()

"

: () :

:

(/)

: 1

(/)

: 2

()

() ():

:

:

:

:()

_____": 1

(/) " 2

2

3

(/) : 4

5

6

(/) : 7

7

":

."

()

()

:()

":

1

2

(/)

:

3

..

()

()

()

()

() ()

": ()

()

()

: ...
()

"()

()

:

()

:

():

..

()

()

()

()

()

..()

()

(/)

: 1

(/)

2

(/)

3

() :

() :

..

() ()

:

(/) : 1

: 2

(/) 3

4

()

..

.

()

()

()

()

()

()

: 1

..

..

..

2

..

(/)

3

:"

"

()

:

: :

:"

."

:

(/)

1

(/)

2

:

:

3

(/)

(/)

4

(/)

:

5

(/)

:

6

(/)

7

() () : ()

:

. ()

):

.(

. ()

. ()

. ()

(/)

:

1

(/)

:

2

:

3

:

:

(/)

:

(/)

4

(/)

:

5

:

6

(/)

:

:

:

7

: ()

() .

": ()

()

".

":

".

...

. ():

.

.
. . .

()

.()

1

2

3

(/)

:

4

: 5

:

:

(/)

(/)

6

: 7

(/)

(/)

:

:

()

:

()

:

()

()

()

: 1

/ / / / / / /) : 2
(/

:

::

::

::

::

1

2

:

() ()

..

()

:

:

":

".

:

..

:

:

_____ 1

(/)

2

(/)

":

":

()
()

()

()

()

()

()

()

":

(/)

(/)

- 1
- 2
- 3
- 4

:

()

)

.(

()

: :

1

(/)

2

(/)

:

3

(/)

(/)

:

4

(/)

/)

(/)

:

5

(

()

:
:

:

()

()

":

".

(/)

 1

(/) 2

/) 3

(/) (

(/)

(/) 4

:

(/)

(/)

=

() :
 () () ()
 () () ()
 () ()
 () () ()
 () () () ()
 ".
 : (/) : =
 (/) 1
 : (/ / /)
 (/) (/) : 2
 (/) 3

() :

() ()

()

()

() :

: ()

()

:	1
:	2
:	3

(/)
(/)

()

()

()

"

:"

()

() :

()

:()

:()

:

()

:

:

(

)

:

(/)

(/)

_____ 1

(/)

2

:

3

(/)

:

4

()

.()

:

5

(/)

":

". () () ... () () :
() ":

()

".
() ()
()

() :
()

() ":

(/) 1

(/) 2

(/) : 3

: 4

:

(/) :

: 5

(/) : 6

".

".:

".

()
()

()
()

": ()

".

(/)

(/)	1
.()	2
(:)	3
(/)	4
(/)	5
(/)	6
:	7
:	:
(/)	:
(/)	8
.()	9
(/)	

:

.

.

.

:

()

()

":

()

()

":

()

()

()

:

()

:

:

(/)

1

(/)

2

3

(/)

(/)

4

(/)

.

(/)

5

(/)

6

() () :

() :

() ()

() ()

() :

: :

() :

() () ()

()

1

: 2

: (/) (/)

. ()
() ()
()

()
() ":

": "

"
()

_____ 1

: . :
(/) : (/)
(/) (/)
()
(/) :

. :
(/) :

) .() 4
(/) (: 5
. : 6

: (/) :
(/) (/)

()

.()

()

" :

"

.()

.

:

() ()

()

):

(

1

:

(/)

2

:

()

3

(

4

(/)

:

(/)

(/)

5

(/)

6

(/)

7

(/)

8

()

" () " ()
() ()

() " () " :
:

: ()

: 1
(/)

(/) 2

(/) 3

(/) 4

(/)

: 5

:

:

() :

()

:()

()

()

()

() () ()

()

:

()

()

(/)

(/) _____ : 1

(/)

:

2

(/)

”:

”

”

()

()

() :

:

:

..#

...

(/)	1
(/)	2
(/) :	3
	4

:

" .

::

() :

()

()

: ()

": () () () ()

_____ (/) 1

2

(/)

(/) : 3

(/) : 4

(/) : 5

(/) : 6

()

": ()

"

()
() ()

:

-
-

.()

 1

: 2

(/) 3

()

:

:

()

. ()

:()

()

:()

()

:()

()

:()

()

()

()

:

:

::

.

::

()

. ()

:

..

..

..

..

..

(/)

:

1

:

:

:

:

(/)
(/)
(/)

:

1

2

() ()

:
 () ()
)) - () - ()
 . ()
 :
 () ()
 () ()
 () ()
 " :

(/) (/) _____ : 1
 (/) 2



) : " (

... " ()

()

()

) :

_____ 1

(/) 2

(/) (: 3

: 4

5

() :

(

-

():

-

:

-

():

-

-

():

-

: 1

2

(/)

: 3

4

:

:

(/)

()

:

.() : 5

(/)

6

(/)

()

-

-

-

:

.

.

.

..

.

.

.

1

2

(/) :

3

:

4

(/) :

5

(/) :

6

:

. () :

.

() :

":

[]

" :
" :
" :
()

() : 1
 (/) : 2
 (:) : 2
 (/) : 3
) () :
 (/) :

()

() () ()

()

()

(/)

(/)

(- /)

(/)

1

2

3

4

5

6



.
 :
):
 . : ():
 . : ():
 :

1

:

()

2

:

3

:

4

:

:

(/)

:

5

(/)

:

:

()

. () ()

()

. () ()

1

2

3

4

:

" :

()

"

::

()

" : ()

()

()

" :

()

[] . . .

-

1

.()

: 2

(/)

(/)

: .

3

4

:

:

()

()

":

"

()

":

:

"

":

()

()

:

"..."

:

(- /)

1

2

3

4

) : () ()
) : () ()
 () ()
 - -
 ..
 : 1

) : :
 () :
 () :
) :
 : ()
 : ()
 : ()
 : ()
 : ()
 : (/)
 : (/)
 : (/)
 : (/)
 : (/)
 : (/)
 : (/)
 : (/)

)
 () ()
 : :
 ()
 " :
 "
 - : ()
) () -

 1
 : :
 (/)
 (/) : 2
 3
 4
 :
 (/) :
 (/)
 5
 6
 :
 (/)
 (/)
 : 7

(-

() -

: :

:

) -

() () -

) -

. (-

: () -

1

: () :

(/) :

(/) : 2

(/) : 3

4

(/) :

(/) : 5

6

:

(/) () :

7

(/)

)

(

.) (

)

.

:

:

:

()

.) ()

()

()

()

):

(/)	(/)	:	1
	(/)	:	2
			3
	:		
(/)	:		
(/)	(/)	:	4
	(/)		
	(/)	:	5
	(/)	:	6
(/)	()		
	.) (/)	:	7

: () /

)

: () /

) ()

) () () ()

)

:

) ()

: 1

(/) (-)

(/) 2

(/) : 3

(/) 4

(/) : 5

(/) : 6

7

:

:

(/) (/) : 8

)

()

(

()

()

(/)

(/)

: 1

(/)

: 2

()

()

: 3

(/)

(4)

:

)

(/)

(

(/)

: (5)

6

:

:

(/)

()

()

":

()

() ()

()

() () ()

) []... ()

" (

() : - -

() ":

."

):

. (

":

[]

(/)

:

1

:

.()

2

3

"

()

-:

..

.

..

..

"

..

:

()

:

:

)

)

"

:(

() (

"

()

-

-

-

-

)

()

":(

(/)

1

(/)

2

(/)

3

:)

4

(/)

(

." () :

! () :

! () ! () :

() () ! () :

) " : (

() :

.()

 1

(/) : 2

3



:
 :
 " : () ()
 " : () ()
 :
 () () :
 () ()
 () ()
 /) :
 ()
)
 : : (-
 : :
 ()



...

()

()

:

() :

1

()

:

()

()

.(/)

()

(- /)

2

:

()

()

::

::

::

::

1

: // /

:

(

:

)

.(

:

:

:

.(

:

)

:

..

.

..

()

() ()

:

() () ()

:

()

()

)

)

(

1

2

() ()
() ()

":

1

: 2

!

":

()

"!

.()

:

: 1

.()

:

2

:

: 3

4

() :
(/)

1
2

. (/) :
 :
 : (:) .
 : 1
 2
 : 3

..

..

..

..

..

..

..

..

..

..

:)

(

.()

(:)

()

.()

.()

(:)

:

.()

:

.()

(:)

. ()
(:)

. ()
(:)

. ()

. ()

(:)

:) . ()

(

.() (:)

:) .() (

:()

) . .() (

.() (:)

) .() (

:()

:) .() (

: ()

: ()

:) . ()

(:)

. ()

:) . () (

()

.()

.()

()

.()

.()

:)

(

.()

()

()

)

(

. ()

(:)

(:)

.()

.()

(:)

.()

.()

()

.

.()

.()

.

.()

.

)

(

.()

.

.()

:()

:()

:()

:()

:()

(

:()

:()

(:)

(:)

:()

:

.()

(:)

)

(

.()

(:)

()

:)

.()

(

.()

) .() (

.()

.()

())

.()

.()

.()

. : .

: . .

.()

. .

.()

()

.()

.()

)

(

:)

.(

:)

(

(:)

. ()

: . . . ()

: . . . ()

:) ()

(:)

()

: . . . ()

.()

()

:)

(

. :()

(:) ()

.()

.()

. :

.()

. : . .()

) .()

(

()

()

:)

(

.()

.()

.()

:

.()

:

.()

:

()

:) .() (

.() (

() .()

() .()

() .()

:()

.()

.()

.()

:

: ()

. () :

: ()

. (:) :

. () :

. () ()

()

()

.()

.()

.()

.()

(:)

.()

(:)

()

()

(:)

)

(

:

.()

:

.()

:

:

.()

(:)

(:)

.()

:
:

(:)

:()

) .()

(

.()

() .()

:

.()

)

.()

(

.()

:

.()

.()

:

:

.()

:

.()

.()

:)

(

.()

:

: . .
 . : . . .()
 :)
 ()
 :)
 . ()
 ()
 :) .()
 . ()
 .()
 : .

:

:

..

..

..

:

:

:

.

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

::

..

.

.

.

.

.

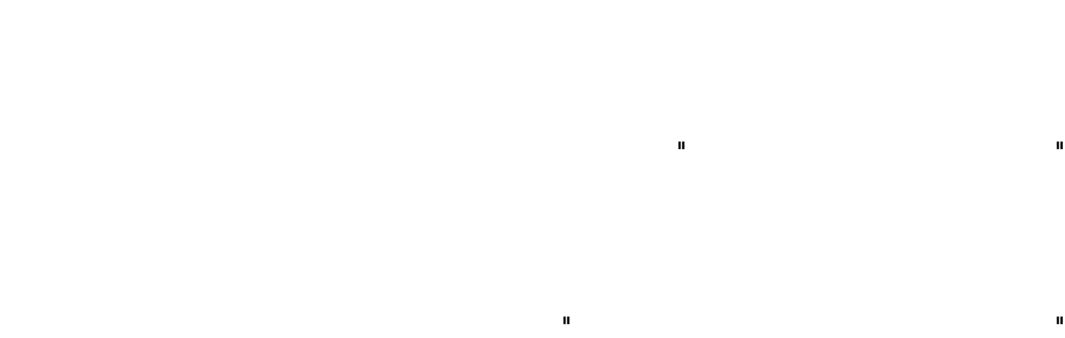
..

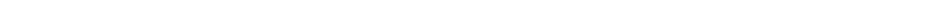
..

..

.

∴





**THE DEVELOPMENT OF FUNDAMENTALIST THOUGHT
WITH THE PHILOSOPHERS: A THEORETICAL
ORIGINATIVE STUDY FOR THE MOVEMENT OF RECORD
OF THE FOUNDATIONS OF JURISPRUDENCE WIT THE
PHILOSOPHERS**

By

Ahmed Ibrahim Hasan Al-Hasant

Supervisor

Dr. Mahmoud Saleh Jaber, Prof.

ABSTRACT

This study examined the development of the fundamentalist thought by the philosophers through the record methodology. In order to achieve this purpose, the researcher studied the philosophers' method since its establishment and the age of its stability. In addition, the study traced its historical stages, showed the characters of each stage, features and its rule in the development of the methodology. Furthermore, the study examined the fundamental writings which played a significant role in recording the foundations of jurisdiction by the philosophers, as well as the scholars who had an eminent role in enriching the fundamental material by the philosophers.

However, the researcher studies the aspects that influenced the philosophers' method in terms of the jurisdiction doctrine and the creed schools, showing their effect on the philosophers' school.

The researcher thought that the interrelation of the philosophers' method contains the attitudes of the fundamental record, as the philosophers' method was divided into two main schools, as one of them subdivided other schools, where these schools dominated the recording methods through this one method, as no fundamental book will not be produced without being a member of such schools. However, as for the large schools, they are Al-Ashai'ra and Al-Mu'tazila, where from Al-Ashai'ra school; other schools branched such as Al-Razi and Al-Amadi, who represented the stage of the philosophers' maturity.

The study concluded that the philosophers' method was the first one that emerged in the jurisdiction foundations, and that it offered the foundation science more than any other methodology, not to forget that the philosophers' methodology was the most style which influenced the other recording methods in the field of the foundations of jurisdiction.